

वस्तु या व्यक्ति को उसके स्थान से हटने में प्रवृत्त करना 3. प्रतिज्ञा, वचन आदि से किसी को डिगाना 4. किसी को उसके काम या पद से अलग करना 5. समाप्त करना।

हटि क्रि.वि. (देश.) 1. रोककर, हटक कर 2. हटक, दूर होकर।

हटिया स्त्री. (देश.) छोटा हाट, छोटा बाजार।

हटी स्त्री. (देश.) दुकान, बाजार।

हटुआ वि. (देश.) हाट संबंधी, हाट का पुं. हाट में बैठकर माल बेचने वाला व्यक्ति, दुकानदार।

हटैता पुं. (देश.) 1. हाट में बिकने के लिए आई हुई वस्तु 2. हाट में से खरीदी गई वस्तु।

हटीती स्त्री. (देश.) शरीर की गठन।

हट्ट पुं. (तद्.) बाजार, दुकान, हाट।

हट्ट चौरक पुं. (तद्.) वह चोर जो हाट या बाजार से सामान चुराकर ले जाता है।

हट्टा पुं. (तद्.) 1. बाजार, हाट 2. मार्ग, रास्ता वि. हष्ट, स्वस्थ।

हट्टा-कट्टा वि. (तद्.) हष्ट-पुष्ट, स्वस्थ, मोटा-ताजा, शक्तिशाली, ताकतवर।

हट्टी स्त्री. (तद्.) दुकान।

हट्टी-कट्टी वि. (तद्.) हष्ट-पुष्ट स्त्री, शक्तिशाली, मोटी-ताजी।

हठ पुं. (तत्.) 1. किसी बात पर अड़े रहना, जिद, दुराग्रह, अड़, टेक 2. दृढ़तापूर्वक की गई प्रतिज्ञा या संकल्प 3. बल-प्रयोग 4. शत्रु पर पीछे से किया जाने वाला आक्रमण।

हठधर्म पुं. (तत्.) 1. अपने हठ पर अड़े या जमे रहना, दुराग्रहशीलता, मताग्रह 2. वैचारिक कट्टरता।

हठधर्मिता स्त्री. (तत्.) 1. अपने हठ या जिद पर अड़े रहना 2. सांप्रदायिक अथवा मजहबी कट्टरता 3. सत्य-असत्य, उचित-अनुचित का विचार छोड़कर अपनी बात पर जमे रहना, दुराग्रह।

हठधर्मी वि. (तत्.) अपने हठ या जिद पर अड़े रहने वाला, दुराग्रहशील, सांप्रदायिक कट्टरता वाला।

हठना अ.क्रि. (तद्.) 1. हठ करना, जिद करना 2. दुराग्रह करना 3. दृढ़ प्रतिज्ञा या संकल्प करना हठनि स्त्री. (तद्.) हठशीलता क्रि.वि. हठपूर्वक।

हठमत पुं. (तत्.) हठपूर्वक स्थापित सांप्रदायिक मत, हठधर्म।

हठयोग पुं. (तत्.) योग का एक प्रकार जिसमें सुप्त कुंडलिनी शक्ति को जागृत कर शीर्ष में स्थित सहस्रार चक्र तक ले जाया जाता है, शैव, बौद्ध साधकों ने विशेष रूप से हठयोग साधना को अपनाया था, मध्यकाल में नाथपंथियों में हठयोग की साधना प्रमुख है, मत्स्येन्द्रनाथ और गौरखनाथ ने हठयोग साधना द्वारा ही ईश्वर-प्राप्ति संभव बताई है।

हठविद्या स्त्री. (तत्.) हठयोग की साधना।

हठशील वि. (तत्.) हठ करने वाला, हठी।

हठात् क्रि.वि. (तत्.) हठपूर्वक, बलपूर्वक, जबरदस्ती।

हठात्कार पुं. (तत्.) अपने हठ के अनुसार काम करते रहने का भाव।

हठाहठी क्रि.वि. (तत्.) हठात्, बलपूर्वक, जबरदस्ती।

हठि क्रि.वि. (तद्.) हठ करके, दृढ़तापूर्वक, बलपूर्वक, दुराग्रहपूर्वक।

हठी वि. (तत्.) हठ करने वाला, दुराग्रही, जिद्दी।

हठीला वि. (तद्.) हठ करने वाला, हठी, जिद्दी, दुराग्रही, दृढ़निश्चयी, दृढ़प्रतिज्ञ।

हड़ पुं. (तद्.) 'हाड़' (अस्थि) का वह संक्षिप्त रूप, जो उसे यौगिक पदों के आरंभ में लगने पर प्राप्त होता है जैसे- हड़-जोड़, हड़-फूटन स्त्री. हरड़, हरै, एक वनस्पति विशेष जो औषधि बनाने के काम आती है।

हड़क स्त्री. (अनु.) 1. किसी वस्तु को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा, लालसा 2. तीव्र आकुलता, उत्कट चाह 3. पागल कुत्ते के काटने पर पानी के लिए होने वाली गहरी अकुलाहट।